Spokesperson Room-2236745
2238858-59(Off.) 2239825(Fax)

उत्तर प्रदेष कांग्रेस कमेटी

नेहरू भवन, 10 माल एवेन्यू लखनऊ

विवेक कुमार सिंह– **विधायक** फोनः–(मोबा.) 9415090387, 9919679112

महामंत्री कैम्प कार्यालयः– नई दिल्ली।

चेयरमैन– मीडिया विभाग

दिनांकः– 02.12.2010

प्रकाशनार्थ

लखनऊ 02 दिसम्बर।

उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी के मीडिया चेयरमैन एवं बांदा सदर से विधायक विवेक कुमार सिंह ने आज यहां जारी एक प्रेस बयान में कहा है कि कल मैंने मुख्यमंत्री जी को एक पत्र उनके निवास पर फैक्स किया था ताकि वह मुझे समय दें और मैं उनके समक्ष उनकी सरकार में मंत्री श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के खिलाफ भ्रष्टाचार के तथ्य रख सकूं। किन्तु 24 घण्टे बीत जाने के बावजूद भी उनका कोई भी जवाब मुझे प्राप्त नहीं हुआ है।

श्री सिंह ने कहा कि दूरदर्शन पर श्री सिद्दीकी ने कहा है कि तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, इसमें अध्यक्ष चित्रकूट मंडल के आयुक्त बनाये गये हैं व दो अन्य सदस्य श्री सिद्दीकी के विभाग के अधिकारी हैं। इतने बड़े घोटाले की जांच वही अधिकारी करेंगे जो इस घोटाले में शामिल हैं। क्या वह मंत्री या उनके रिश्तेदारों की जांच कर सकेंगे, जिसमें घटिया सामान व ठेकेदारी में अप्रत्यक्ष रूप से वह शामिल हैं। यह मामला रफा–दफा करने की साजिश है।

श्री सिंह ने कहा कि अगर वास्तव में सरकार की मंशा भ्रष्टाचार को सामने लाने की है तो स्वयं मुख्यमंत्री को आगे आना चाहिए और इसकी जांच या तो केन्द्रीय जांच एजेंसी या न्यायिक जांच पुल सहित सभी निर्माण कार्यों की करायी जानी चाहिए। उन्होने कहा कि इसके संदर्भ में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को उन्होने अवगत करा दिया है, जिसमें राष्ट्रीय महासचिव–प्रभारी उ0प्र0 श्री दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी व कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता श्री प्रमोद तिवारी शामिल हैं। कांग्रेस पार्टी इस गंभीर प्रकरण पर चुप बैठने वाली नहीं है।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री जी के जवाब का वह इंतजार कर रहे हैं, इसके बाद यदि मुख्यमंत्री का जवाब नहीं आया तो वह एक प्रतिनिधिमंडल के साथ महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 से मिलकर श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के काले कारनामों का चिट्ठा उन्हें सौंपेंगे। उसके बाद चूंकि केन्द्रीय धन का दुरूपयोग हुआ है इसलिए प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह एवं कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी जी से मुलाकात करके इस भ्रष्टाचार को उजागर करेंगे।

सेवा में,
श्री सम्पादक/प्रतिनिधि,
....
लखनऊ।

(विवेक कुमार सिंह)

फोनः—2238858—59फैक्स.2239825
मीडियाः—0522—2236745फोन / फैक्स

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सुबोध श्रीवास्तव
महामंत्री (प्रभारी संगठन)
मुख्य प्रवक्ता

नेहरू भवन 10, माल एवेन्यू लखनऊ

फोनः— 9839172525

प्रकाशनार्थ

दिनांकः 02.12.2010

लखनऊ, 02 दिसम्बर।

बहुजन समाज पार्टी की सरकार द्वारा बुंदेलखण्ड के विकास को लेकर किये जा रहे बड़े–बड़े दावों की पोल एक बार फिर खुल गई है जब राज्य सेतु निगम द्वारा बनाया गया नवनिर्मित पुल में बड़ी दरार आ गयी। इसके पहले परीछा पावर स्टेशन की चिमनी गिरी थी और बांदा मेडिकल कालेज की छत भी दरक चुकी है। मनरेगा में हुई धांधलियों को कांग्रेस पार्टी पहले ही उजागर कर चुकी है। यह सभी घटनाएं अत्यंत गंभीर हैं और दोषियों को तत्काल दण्डित किया जाना चाहिए।

उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष डॉ0 रीता बहुगुणा जोशी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि नवनिर्मित पुल में खतरनाक दरार आ जाने के बावजूद मुख्यमंत्री सुश्री मायावती 24घंटे बीत जाने के बाद भी स्थानीय विधायक को मिलने का समय नहीं दे रही हैं। विधायक श्री विवेक कुमार सिंह उनसे मिलकर कुछ साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहते थे जिससे विभागीय मंत्री एवं अधिकारियों की अपराधिक अकर्मण्यता की पुष्टि होती है। परन्तु जानबूझकर मुख्यमंत्री उन्हें मिलने का समय नहीं दे रही हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ0 जोशी ने कहा कि बुंदेलखण्ड पैकेज के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं के लिए हजारों करोड़ रूपया दिया जा रहा है परन्तु बहुजन समाज पार्टी की सरकार इसमें घपले और घाटाले करके अपना और बहुजन समाज पार्टी की तिजोरियां भरने में लगी हुई है। गौरतलब यह भी है कि बहुजन समाज पार्टी के सभी बड़े नेता बुंदेलखण्ड से ही आते हैं और बहुजन समाज पार्टी इस क्षेत्र को अपना गढ़ मानती है इन्हीं नेताओं को बहुजन समाज पार्टी के लिए फण्ड इकट्‌ठा करने की भी जिम्मेदारी रहती है। यही कारण है कि सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार बुंदेलखण्ड में है और सरकारी धन की लूट भी सबसे ज्यादा यहीं होती है।

डॉ0 जोशी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह मांग करती है कि इन घटनाओं की जांच के लिए हाईकोर्ट के सिटिंग जज को नियुक्त किया जाय, जिससे कि तत्काल दोषियों को दण्डित किया जा सके। डॉ0 जोशी ने यह भी मांग की कि जब तक इसकी रिपोर्ट न आये तब तक दागी मंत्री श्री नसीमुद्‌दीन सिद्‌दीकी इस्तीफा दें एवं सभी सम्बन्धित अधिकारी निलम्बित किये जायं।

सेवा में,
श्री सम्पादक / प्रतिनिधि,
....
लखनऊ।

(सुबोध श्रीवास्तव)